

Diversity and Discrimination



इकाई- 1
विविधता एवं भेदभाव

NCERT Based CLASS - VIth (Polity)



By : Karan Sir

Class - VIth, Unit - 1

Chapter - 2

विविधता एवं भेदभाव

Diversity and Discrimination



पिछले पाठ में आपने विविधता के बारे में पढ़ा। कई बार जो लोग दूसरों से अलग होते हैं उन्हें चिढ़ाया जाता है, उनका मजाक उड़ाया जाता है या फिर उन्हें कई गतिविधियों या समूहों में शामिल नहीं किया जाता। अगर हमारे दोस्त या दूसरे लोग हमारे साथ ऐसा व्यवहार करें तो हमें दुख होता है, गुस्सा आता है और हम असहाय महसूस करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है?

In the previous chapter you have discussed the meanings of diversity. Sometimes people who are 'different from others are teased, laughed at or not included in a certain activity or group. We feel hurt, angry, helpless or sad when friends or others treat us in such ways. Have you ever wondered why this happens?



इस पाठ में हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि ऐसे अनुभव हमारे समाज से और हमारे आस-पास मौजूद असमानताओं से कैसे जुड़े हुए हैं।

In this chapter we will try and explore how such experiences are related to the society we live in. We will look at how they are connected to the inequalities that exist around us.

- हम क्या हैं और हम कैसे हैं, यह कई चीज़ों पर निर्भर करता है। हम हम कैसे रहते हैं, कौन-सी भाषाएँ बोलते हैं, क्या खाते हैं, क्या पहनते हैं, खेलते हैं और कौन-से उत्सव मनाते हैं हमारे रहने की जगह के भूगोल और उसके असर पड़ता है। कौन-से खेल इन सब पर इतिहास का अगर आप संक्षेप में ही निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दें तो भी यह अंदाज़ा लग जाएगा कि भारत कितनी विविधताओं वाला देश है।



- There are many things that make us what we are how we live, the languages we speak, what we eat, wear, the games we play and the things we celebrate. All of these are influenced both by the geography and history of the place where we live. You will get an idea of how diverse India is if you look even briefly at the following statement:





- ❑ संसार में आठ मुख्य धर्म हैं। भारत में उन आठों धर्मों के अनुयायी यानी मानने वाले रहते हैं। यहाँ सोलह सौ से ज्यादा भाषाएँ बोली जाती हैं जो लोगों की मातृभाषाएँ हैं। यहाँ सौ से भी ज्यादा तरह के नृत्य किए जाते हैं।
 - ❑ यह विविधता हमेशा खुश होने का कारण नहीं बनती। हम उन लोगों के साथ सुरक्षित एवं आश्वस्त महसूस करते हैं जो हमारी तरह दिखते हैं, बात करते हैं, कपड़े पहनते हैं और हमारी तरह सोचते हैं। कभी-कभी जब हम ऐसे लोगों से मिलते हैं जो हमसे बहुत भिन्न होते हैं, तो हमें वे बहुत अजीब और अपरिचित लग सकते हैं।
 - ❑ कई बार हम समझ ही नहीं पाते या जान ही नहीं पाते कि वे हमसे अलग क्यों हैं। लोग अपने से अलग दिखने वालों के बारे में खास तरह की राय बना लेते हैं।
- ❑ There are eight major religions in the world. Every single one of them is practised in India. We have more than 1600 languages that are people's mother tongues, and there are more than a hundred dance forms.
 - ❑ Yet this diversity is not always celebrated. This is because we feel safe and secure with people who look, talk, dress and think like us. Sometimes when we meet people who are very different from us we may find them strange and unfamiliar.
 - ❑ At times we may not understand or know the reasons why they are different from us. People also form certain attitudes and opinions about others who are not like them.

उन कथनों को देखिए जो आपको ग्रामीण एवं शहरी लोगों के बारे में सही लगे। जिन कथनों से आप सहमत हैं, उन पर निशान लगाइए। क्या आपके दिमाग में ग्रामीण या शहरी लोगों को लेकर किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह हैं? क्या दूसरे लोगों के दिमाग में भी ये पूर्वाग्रह हैं? लोगों के दिमाग में ये पूर्वाग्रह क्यों होते हैं? जिन पूर्वाग्रहों को आपने अपने आस-पास महसूस किया है उनकी एक सूची बनाइए। ये पूर्वाग्रह लोगों के व्यवहार को कैसे प्रभावित करते हैं?

ग्रामीण लोग

- आधे से ज्यादा भारतीय गाँवों में रहते हैं।
- गाँव के लोग आधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते हैं।
- फसल की बुवाई और कटाई के समय परिवार के लोग खेतों में 12 से 14 घंटों तक काम करते हैं।
- ग्रामीण लोग काम की तलाश में शहरों की ओर स्थानान्तरण करने को बाध्य होते हैं।

शहरी लोग

- शहरी जीवन बड़ा आसान होता है। यहाँ के लोग बिगड़े हुए और आलसी होते हैं।
- शहरों में लोग अपने परिवार के सदस्यों के साथ बहुत कम समय बिताते हैं।
- शहरी लोग केवल पैसे की चिंता करते हैं, लोगों की नहीं।
- शहरों में रहना बहुत महंगा पड़ता है। लोगों की कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा किराए और आने-जाने में खर्च हो जाता है।

Look at the statements below that you believed to be true about rural and urban life in India. Tick mark those that you agree with. Do you have a prejudice against rural or urban people? Find out if this is shared by others and discuss the reasons why people have these prejudices.

Can you list some of the prejudices that you have noticed around you. How do they affect the ways in which people treat each other?

On Rural People

- More than 50% of all Indians live in villages.
- Villagers do not care about their health. They superstition. are full of
- People in villages are backward and do not like to use modern agricultural technology.
- In peak harvesting and plantation season, families spend 12 to 14 hours working in the fields.
- Villagers are forced to migrate to cities in search of work.

On Urban People

- Life in the city is easy. People here are spoilt and lazy.
- In cities families spend very little time with each other.
- People in cities only care about money, not about people.
- Living in a city is expensive. A large part of people's earnings is spent on rent and transport.
- City people cannot be trusted, they are cunning and corrupt.



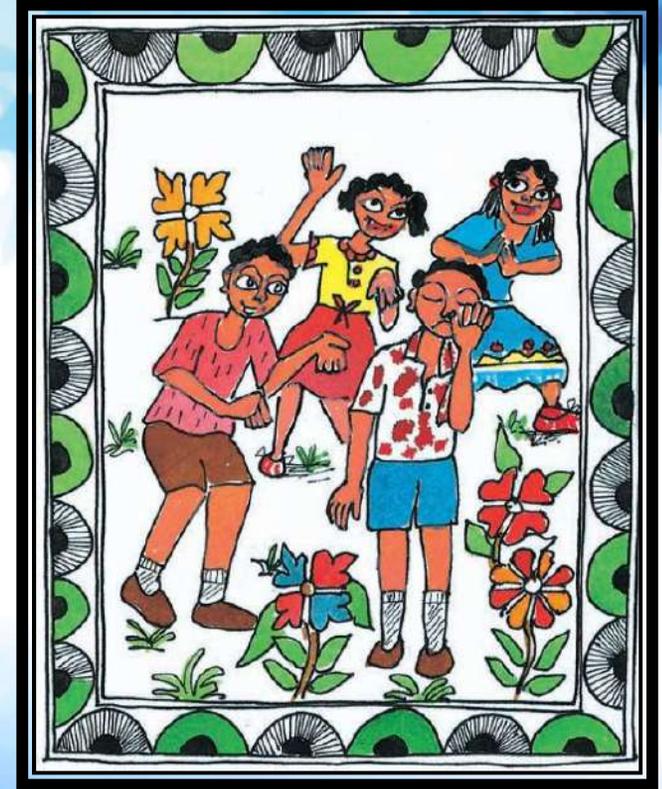
- ❑ इनमें से कुछ कथन ग्रामीण लोगों को अज्ञानी की तरह देखते हैं जबकि शहर में रहने वाले लोगों को आलसी एवं सिर्फ़ पैसे से सरोकार रखने वालों की तरह देखते हैं। जब हम किसी के बारे में पहले से कोई राय बना लेते हैं और उसे हम अपने दिमाग में बिठा लेते हैं तो वह पूर्वाग्रह का रूप ले लेती है। ज्यादातर यह राय नकारात्मक होती है। जैसा कि कथनों में दिया गया है- लोगों को आलसी या कंजूस मानना भी पूर्वाग्रह है।
- ❑ जब हम यह सोचने लगते हैं कि किसी काम को करने का कोई एक तरीका ही सबसे अच्छा और सही है, तो हम अक्सर दूसरों की इज्जत नहीं कर पाते जो उसी काम को दूसरी तरह से करना पसंद करते हैं। उदाहरण के लिए अगर हम सोचें कि अंग्रेज़ी सबसे अच्छी भाषा है और दूसरी भाषाएँ महत्वपूर्ण नहीं हैं, तो हम अन्य भाषाओं को बहुत नकारात्मक रूप से देखेंगे। परिणामस्वरूप हम उन लोगों की शायद इज्जत नहीं कर पाएँगे जो अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाएँ बोलते हैं।
- ❑ हम कई चीज़ों के बारे में पूर्वाग्रही हो सकते हैं - लोगों के धार्मिक विश्वास, उनकी चमड़ी का रंग, जिस क्षेत्र से वे आते हैं, जिस तरह से वे बोलते हैं, जैसे कपड़े वे पहनते हैं इत्यादि। अक्सर दूसरों के बारे में बनाए गए हमारे पूर्वाग्रह इतने पक्के होते हैं कि हम उनसे दोस्ती नहीं करना चाहते। इस वजह से कई बार हमारा व्यवहार ऐसा होता है कि हम उन्हें दुःख पहुँचा देते हैं।

- ❑ Some of these statements see villagers as ignorant and superstitious, and see people in cities as money-minded, lazy and cunning. When our opinions about certain people are always negative - seeing them as lazy, cunning, stingy as some of these statements, then these become prejudices that we carry about them.
- ❑ Prejudice means to judge other people negatively or see them as inferior. When we think that only one particular way is the best and right way to do things we often end up not respecting others, who may prefer to do things differently. For example, if we think English is the best language and other languages are not important, we are judging these other languages negatively. As a result, we might not respect people who speak languages other than English
- ❑ We can be prejudiced about many things: people's religious beliefs, the colour of their skin, the region they come from, the accent they speak in, the clothes. they wear etc. Often, our prejudices about others are so strong that we don't want to form friendships with them. At times, we may even act in ways that hurt them.

लड़के और लड़की में भेदभाव/Creating Stereotypes

- समाज में लड़के और लड़कियों में कई तरह से भेदभाव किया जाता है। हम सभी इस भेदभाव से परिचित हैं। एक लड़का या लड़की होने का अर्थ क्या होता है? आपमें से कई लोग कहेंगे, "हम लड़के या लड़की की तरह जन्म लेते हैं। यह तो ऐसे ही होता है। इसमें सोचने वाली क्या बात है?" आइए, देखें कि क्या सच्चाई यही है?

All of us are familiar with gender differences. What does it mean to be a boy or a girl? Many of you would say. "We are born as boys and girls. It is a given. What is there to think about?" Let's see if this is the case.



नीचे दिए गए कथनों की सूची में से तालिका को भरिए। अपने उत्तर के कारणों पर चर्चा कीजिए।

Arrange the statements given below in these two sections, according to what you think is appropriate for the section.

- वे बहुत ही सुशील हैं।
- उनका बात करने का तरीका बड़ा सौम्य और मधुर है।
- वे शारीरिक रूप से बलिष्ठ हैं।
- वे शरारती हैं।
- वे नृत्य करने और चित्रकारी में निपुण हैं।
- वे रोते नहीं।
- वे उधमी हैं।
- वे खेल में निपुण हैं।
- वे खाना पकाने में निपुण हैं।
- वे भावुक हैं।
- They are well behaved.
- They are soft spoken and gentle.
- They are physically strong.
- They are naughty.
- They are good at dance and painting.
- They don't cry.
- They are rowdy.
- They are good at sport.
- They are good at cooking.
- They are emotional.

लड़का	लड़की
1	1
2	2
3	3
4	4
5	5



- ऊपर के चित्रों में जो बच्चे हैं उन्हें पहले 'विकलांग' कहा जाता था। इस शब्द को बदलकर आज उनके लिए जो शब्द प्रयोग किए जाते हैं वे हैं 'खास ज़रूरतों वाले बच्चे'। उनके बारे में लोगों के पूर्वाग्रहों को यहाँ बड़े अक्षरों में दिया गया है। साथ में उनकी अपनी भावनाएँ और विचार भी दिए गए हैं।
 - ये बच्चे अपने से जुड़ी रूढ़िबद्ध धारणाओं के बारे में क्या कह रहे हैं और क्यों इस पर चर्चा कीजिए।
 - आपकी राय में क्या खास ज़रूरतों वाले बच्चों को सामान्य स्कूल में पढ़ना चाहिए या उनके लिए अलग स्कूल होने चाहिए? अपने जवाब के पक्ष में तर्क दीजिए।
- The children you see in the illustrations here were seen as 'disabled'. This term has been changed and now the term used is 'children with special needs'. Common stereotypes about them are given in large letters. Their own feelings and thoughts too are given.
 - Discuss what these children are saying about stereotypes regarding them and why.
 - Do you think children with special needs should be a part of regular schools or study in a separate school? Give reasons for your answer.

- अगर हम इस कथन को लें कि 'वे रोते नहीं' तो आप देखेंगे कि यह गुण आमतौर पर लड़कों या पुरुषों के साथ जोड़ा जाता है। बचपन में जब लड़कों को गिर जाने पर चोट लग जाती है तो माता-पिता एवं परिवार के अन्य सदस्य अक्सर यह कहकर चुप कराते हैं कि 'रोओ मत। तुम तो लड़के हो। लड़के बहादुर होते हैं, रोते नहीं हैं।' जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं, वे यह विश्वास करने लगते हैं कि लड़के रोते नहीं हैं।
- यहाँ तक कि अगर किसी लड़के को रोना आए भी तो वह अपने आप को रोक लेता है। लड़का यह मानता है कि रोना कमजोरी की निशानी है। हालाँकि लड़कों और लड़कियों दोनों का कभी-कभी रोने का मन करता है खासकर जब उन्हें गुस्सा आए या दर्द हो। लेकिन बड़े होने तक लड़के सीख जाते हैं या अपने को सिखा लेते हैं कि रोना नहीं है। अगर एक बड़ा लड़का रोए तो उसे लगता है कि दूसरे उसे चिढ़ाएँगे या उसका मज़ाक बनाएँगे, इसलिए वह दूसरों के सामने रोने से अपने आप को रोक लेता है।
- हम लगातार यह सुनते रहते हैं कि 'लड़के ऐसे होते हैं' और 'लड़कियाँ ऐसी होती हैं'। समाज की इन मान्यताओं को हम बिना सोचे-समझे मान लेते हैं। हम विश्वास कर लेते हैं कि हमारा व्यवहार इनके अनुसार ही होना चाहिए। हम सभी लड़कों और लड़कियों को उसी छवि के अनुरूप देखना चाहते हैं।
- If we take the statement "They don't cry", you'll see that this is a quality that is generally associated with boys and men. As babies or children when boys fall and hurt themselves, their parents and other family members often console them by saying "Don't cry. You are a boy. Boys are brave, they don't cry." As children grow up they start believing that boys do not cry so that even if a boy feels like crying he stops himself from doing so.
- He also believes that crying is a sign of weakness. So, even though both boys and girls sometimes want to cry, especially if they are angry or in pain, as they grow older boys learn or teach themselves not to cry. If a grown boy cries, then he feels that others will either tease him or laugh at him, and so he stops himself from doing so in front of others.
- This is the way boys are and this is how girls are: these are statements we hear constantly and accept without even thinking, and we start believing that each one of us must behave accordingly. We fit all boys and all girls into an image that society creates around us.

'वे कोमल एवं मृदु स्वभाव की हैं', 'वे बहुत ही सुशील हैं' ऐसे कथनों को लेकर उन पर चर्चा कीजिए कि ये कैसे केवल लड़कियों पर लागू किए जाते हैं। क्या लड़कियों में ये गुण जन्म से ही होते हैं या वे ऐसा व्यवहार समाज से सीखती हैं? आपकी उन लड़कियों के बारे में क्या राय है जो कोमल एवं मृदु स्वभाव की नहीं होतीं और शरारती होती हैं?

You can take other statements such as They are soft and gentle or They are well behaved and discuss how these are applied to girls. Do girls possess these qualities at birth or do they learn such behaviour from others? What do you think about girls who are not soft and gentle and those who are naughty?



- जब हम सभी लोगों को एक ही छवि में बाँध देते हैं या उनके बारे में पक्की धारणा बना लेते हैं, तो उसे रूढ़िबद्ध धारणा कहते हैं। कई बार हम किसी खास देश, धर्म, लिंग के होने के कारण किसी को 'कंजूस', 'अपराधी' या 'बेवकूफ़' ठहराते हैं। ऐसा दरअसल उनके बारे में मन में एक पक्की धारणा बना लेने के कारण होता है। हर देश, धर्म आदि में हमें कंजूस, अपराधी, बेवकूफ़ लोग मिल ही जाते हैं। सिर्फ इसलिए कि कुछ लोग उस समूह में वैसे हैं, पूरे समूह के बारे में ऐसी राय बनाना वाजिब नहीं है। इस प्रकार की धारणाएँ हमें प्रत्येक इंसान को एक अनोखे और अलग व्यक्ति की तरह देखने से रोक देती हैं। हम नहीं देख पाते कि उस व्यक्ति के अपने कुछ खास गुण और क्षमताएँ हैं जो दूसरों से अलग हैं।
- रूढ़िबद्ध धारणाएँ बड़ी संख्या में लोगों को एक ही प्रकार के खाँचे में जड़ देती हैं। जैसे माना जाता था कि हवाई जहाज़ उड़ाने का काम लड़कियाँ नहीं कर सकतीं। इन धारणाओं का असर हम सब पर पड़ता है। कई बार ये धारणाएँ हमें ऐसे काम करने से रोकती हैं जिनको करने की क़ाबलियत शायद हममें हो।

- **When we fix people into one image we create a stereotype. When people say that those who belong to a particular country, religion, sex, race or economic background are "stingy." "lazy," "criminal" or "dumb," they are using stereotypes. There are stingy and generous people everywhere, in every country, in every religion, in every group whether rich or poor, male or female. And just because some people are like that it is not fair to think that everyone will be the same.**
- **Stereotypes stop us from looking at each person as a unique individual with his or her own special qualities and skills that are different from others. They fit large numbers of people into only one pattern or type. Stereotypes affect all of us as they prevent us from doing certain things, that we might otherwise be good at.**

असमानता एवं भेदभाव Inequality and Discrimination

- भेदभाव तब होता है जब लोग पूर्वाग्रहों या रूढ़िबद्ध धारणाओं के आधार पर व्यवहार करते हैं। अगर आप लोगों को नीचा दिखाने के लिए कुछ करते हैं, अगर आप उन्हें कुछ गतिविधियों में भाग लेने से रोकते हैं, किसी खास नौकरी को करने से रोकते हैं या किसी मोहल्ले में रहने नहीं देते, एक ही कुएँ या हैंडपंप से पानी नहीं लेने देते और दूसरों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कप या गिलास में चाय नहीं पीने देते तो इसका मतलब है कि आप उनके साथ भेदभाव कर रहे हैं।
- भेदभाव कई कारणों से हो सकता है। आप याद करें कि पिछले पाठ में समीर एक और समीर दो एक-दूसरे से बहुत भिन्न थे। उदाहरण के लिए उनका धर्म अलग था। यह विविधता का एक पहलू है। पर यह भेदभाव का कारण भी बन सकता है। ऐसा तब होता है जब लोग अपने से भिन्न प्रथाओं और रिवाजों को निम्न कोटि का मानते हैं।
- Discrimination happens when people act on their prejudices or stereotypes. If you do something to put other people down, if you stop them from taking part in certain activities and taking up jobs, or stop them from living in certain neighbourhoods, prevent them from taking water from the same well or hand pump, or not allow them to drink tea in the same cups or glasses as others, you are discriminating against them.
- Discrimination can take place because of several reasons. You probably recall from the previous chapter that Samir Ek and Samir Do were different from each other in many ways. For example, they belonged to different religions. This is an aspect of diversity. However, this diversity can also be a source of discrimination. Groups of people who may speak a certain language, follow a particular religion, live in specific regions etc., may be discriminated against as their customs or practices may be seen as inferior.

- दोनों समीरों में एक और अंतर उनकी आर्थिक पृष्ठभूमि का था। समीर दो गरीब विविधता का पहलू नहीं है। यह तो असमानता है। बहुत लोगों के पास - अपने खाने, कपड़े और घर की मूल ज़रूरतों को पूरा करने के लिए साधन और पैसे नहीं होते हैं। इस कारण दफ़्तरों, अस्पतालों, स्कूलों आदि में उनके साथ भेदभाव किया जाता है।
- कुछ लोगों को विविधता और असमानता पर आधारित दोनों ही तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है। एक तो इस कारण कि वे उस समुदाय के सदस्य हैं जिनकी संस्कृति को मूल्यवान नहीं माना जाता। ऊपर से यदि वे गरीब हैं और उनके पास अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के साधन नहीं, तो इस आधार पर भी भेदभाव किया जाता है। ऐसे दोहरे भेदभाव का सामना कई जनजातीय लोगों, धार्मिक समूहों और खास क्षेत्र के लोगों को करना पड़ता है।
- Another difference between the two Samirs was in their economic backgrounds. Samir Do was poor. This difference, as you have read earlier, is not a form of diversity but of inequality. People who are poor do not have the resources or the money to meet their basic needs of food, clothing and shelter. They experience discrimination in offices, in hospitals, schools etc., where they are treated badly because they are poor.
- Some people may experience both kinds of discrimination. They are poor and they belong to groups whose culture is not valued. Tribals, some religious groups and even particular regions, are discriminated against for one or more of these reasons. In the following section we will look at how a famous Indian was discriminated against. This will help us understand the ways in which caste was used to discriminate against large numbers of people.

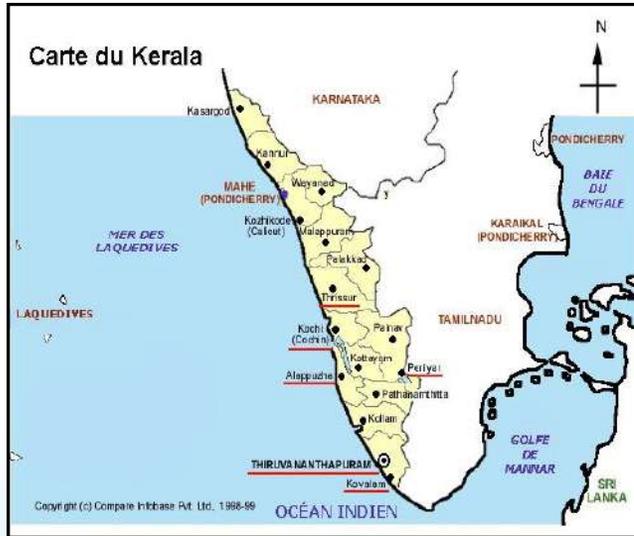
असमानता एवं भेदभाव Inequality and Discrimination

- मुसलमानों के बारे में एक आम रूढ़िवादिता यह है कि वे लड़कियों को शिक्षित करने में रुचि नहीं रखते हैं और इसलिए लड़कियों को स्कूल नहीं भेजते हैं। हालांकि, अब अध्ययनों से पता चला है कि मुसलमानों में गरीबी एक महत्वपूर्ण कारण है कि मुस्लिम लड़कियां कुछ वर्षों के बाद स्कूल नहीं जाती हैं या स्कूल छोड़ देती हैं।
- जहाँ भी गरीबों तक शिक्षा पहुँचाने का प्रयास किया गया है, वहाँ मुस्लिम समुदाय ने अपनी लड़कियों को स्कूल भेजने में रुचि दिखाई है।



- A common stereotype about Muslims is that they are not interested in educating girls and therefore do not send girls to school. However, studies have now shown that poverty amongst Muslims is an important reason why Muslim girls do not attend school or drop out from school after a few years.
- Wherever effort has been made to reach education to the poor, there the Muslim community has shown an interest in sending their girls to school.

असमानता एवं भेदभाव Inequality and Discrimination



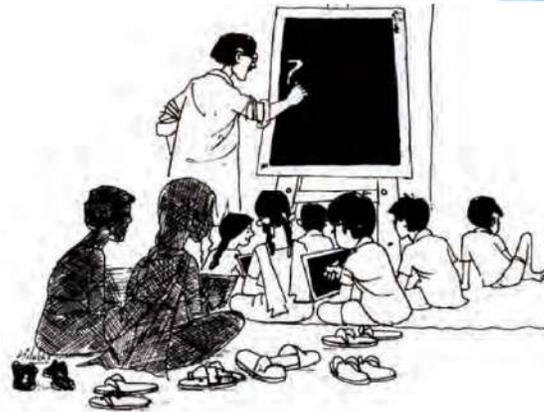
- उदाहरण के लिए केरल राज्य में स्कूल और घर के बीच की दूरी ज्यादा नहीं है। एक अच्छी सरकारी बस सेवा है जो शिक्षकों को ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों तक पहुंचने में मदद करती है और साठ प्रतिशत से अधिक शिक्षक महिलाएं हैं। इन कारकों ने गरीब परिवारों के बच्चों की मदद की है। मुस्लिम लड़कियों सहित, बहुत बड़ी संख्या में स्कूल जाती हैं।
 - अन्य राज्यों में, जहां इस तरह के प्रयास गरीब परिवारों के बच्चों के लिए नहीं किए गए हैं, चाहे वे मुसलमान हों, आदिवासी हों या तथाकथित निचली जातियों के हों, उन्हें स्कूल जाने में कठिनाई होती है। इसलिए, स्कूल में मुस्लिम लड़कियों की गैर-उपस्थिति का कारण धर्म नहीं, बल्कि गरीबी है।
- For example in the state of Kerala the distance between the school and the home is not much. There is a good government bus service that helps teachers reach schools in rural areas and over sixty per cent of the teachers are women. These factors have helped children from poorer families. including Muslim girls, attend school in much larger numbers.
 - In other states, where such efforts have not been made children from poorer families whether Muslim, tribal or so- called lower castes find it difficult to attend school. Therefore, poverty, not religion, is the cause for non-attendance of Muslim girls in school.

असमानता एवं भेदभाव Inequality and Discrimination

- भेदभाव किए जाने पर लोग शिक्षण, बढ़ईगिरी जैसे विभिन्न प्रकार के कार्यों में लगे हुए हैं। मिट्टी के बर्तन, बुनाई, मछली पकड़ना, खेती करना आदि। आजीविका कमाने के लिए। हालांकि, कुछ प्रकार के काम दूसरों की तुलना में अधिक मूल्यवान हैं। सफाई, धुलाई, बाल काटने, कचरा उठाने जैसी गतिविधियों को कम मूल्य वाले कार्यों के रूप में देखा जाता है और जो लोग इस काम को करते हैं उन्हें गंदा या अशुद्ध माना जाता है। यह विश्वास जाति व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जाति व्यवस्था में, समुदायों/लोगों के समूहों को एक तरह की सीढ़ी में रखा गया था जहाँ प्रत्येक जाति या तो दूसरे से ऊपर या नीचे थी। जिन लोगों ने खुद को इस सीढ़ी के शीर्ष पर रखा, वे खुद को उच्च जाति कहते थे और खुद को श्रेष्ठ मानते थे। जिन समूहों को सीढ़ी के निचले हिस्से में रखा गया था, उन्हें अयोग्य माना जाता था और "अछूत" कहा जाता था।
- On being discriminated against People are engaged in different kinds of work like teaching, carpentry, pottery, weaving, fishing, farming etc. to earn a livelihood. However, certain kinds of work are valued more than others. Activities like cleaning, washing, cutting hair, picking garbage are seen as tasks that are of less value and people who do this work are seen as dirty or impure. This belief is an important aspect of the caste system. In the caste system, communities/ groups of people were placed in a sort of ladder where each caste was either above or below the other. Those who placed themselves at the top of this ladder called themselves upper caste and saw themselves as superior. The groups who were placed at the bottom of the ladder were seen as unworthy and called "untouchables".

असमानता एवं भेदभाव Inequality and Discrimination

- जाति के नियम निर्धारित किए गए थे जो तथाकथित "अछूतों" को काम करने की अनुमति नहीं देते थे, सिवाय इसके कि उन्हें क्या करना था। उदाहरण के लिए, कुछ समूहों को गाँव से कचरा उठाने और मरे हुए जानवरों को निकालने के लिए मजबूर किया गया था। लेकिन उन्हें उच्च जातियों के घरों में प्रवेश करने या गाँव के कुएं से पानी लेने या मंदिरों में प्रवेश करने की भी अनुमति नहीं थी। उनके बच्चे स्कूल में अन्य जातियों के बच्चों के बगल में नहीं बैठ सकते थे। इस प्रकार उच्च जातियों ने ऐसे तरीके से काम किया, जिससे तथाकथित "अछूतों" को वही अधिकार नहीं मिले जो उन्हें प्राप्त थे।



- Caste rules were set which did not allow the so-called "untouchables" to take on work, other than what they were meant to do. For example, some groups were forced to pick garbage and remove dead animals from the village. But they were not allowed to enter the homes of the upper castes or take water from the village well, or even enter temples. Their children could not sit next to children of other castes in school. Thus upper castes acted in ways, which did not give the so-called "untouchables" the same rights as they enjoyed.

दलित वह शब्द है जो नीची कही जाने वाली जाति के लोग अपनी पहचान के रूप में इस्तेमाल करते हैं। वे इस शब्द को 'अछूत' से ज्यादा पसंद करते हैं। दलित का मतलब है जिन्हें 'दबाया गया', 'कुचला गया। दलितों के अनुसार यह शब्द दर्शाता है कि कैसे सामाजिक पूर्वाग्रहों और भेदभाव ने दलित लोगों को 'दबाकर रखा है। सरकार ऐसे लोगों को 'अनुसूचित जाति' के वर्ग में रखती है।

Dalit is a term that people belonging to so-called lower castes use to address themselves. They prefer this word to 'untouchable'. Dalit means those who have been 'broken'. This word according to Dalits shows how social prejudices and discrimination have 'broken' the Dalit people. The government refers to this group of people as Scheduled Castes (SC).



Q. रूढ़िबद्ध धारणाओं एवं भेदभाव में क्या अंतर है?

What is the difference between discrimination and stereotypes?

Q. आपके अनुसार जिस व्यक्ति के साथ भेदभाव होता है उसे कैसा महसूस होता है?

How do you think a person who is discriminated against might feel?

- भारत के एक महान नेता डा. भीमराव अंबेडकर ने जाति व्यवस्था पर आधारित भेदभाव के अपने अनुभवों के बारे में लिखा है। यह अनुभव उनको 1901 में हुआ था जब वे केवल 9 साल के थे। वे महाराष्ट्र में कोरेगाँव में अपने भाइयों के साथ पिता से मिलने गए थे।
- बड़ी देर हमने इंतजार किया, पर कोई नहीं आया। एक घंटा बीत गया तो स्टेशन मास्टर पूछने आ गए। उन्होंने हमसे हमारे टिकट माँगे जो हमने दिखा दिए। उन्होंने पूछा कि हम वहाँ क्यों रुके हुए थे। हमने बताया कि हमें कोरेगाँव जाना था और हम पिताजी या उनके नौकर के आने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन दोनों में से कोई भी नहीं पहुँच पाया था और हमें पता नहीं था कि कोरेगाँव कैसे पहुँचते हैं।



- Dr Bhimrao Ambedkar, one of the greatest leaders of India, shares his first experience of caste-based discrimination, which took place in 1901 when he was just nine years old. He had gone with his brothers and cousins to meet his father in Koregaon which is now in Maharashtra.
- Long did we wait, but no one turned up. An hour elapsed and the station master came to enquire. He asked us for our tickets. We showed them to him. He asked us why we tarried. We told him that we were bound for Koregaon and that we were waiting for father or his servant to come, but that neither had turned up and that we did not know how to reach Koregaon.

- हमने बहुत अच्छे कपड़े पहन रखे थे। हमारे कपड़ों और बोली से कोई भी यह अंदाज़ नहीं लगा सकता था कि हम अछूतों के बच्चे थे। निश्चय ही स्टेशन मास्टर को यह लगा कि हम ब्राह्मण बच्चे हैं और वे हमारी मुश्किल को देखकर बड़े परेशान हुए। जैसा कि हिंदुओं में होता ही है, स्टेशन मास्टर ने हमसे पूछा कि हम कौन हैं। बिना एक पल भी सोचे मेरे मुँह से निकल गया कि हम महार हैं। (बंबई प्रांत में महार समुदाय को अछूत माना जाता था।) उनको एकदम से धक्का लगा। वे भौंचक्के रह गए। उनके चेहरे पर अचानक परिवर्तन हुआ। हमने देख लिया कि एक अजीब-सी घृणा की भावना उन पर हावी हो गई थी। उन्होंने जैसे ही मेरा जवाब सुना, वे अपने कमरे में वापस चले गए और हम वहीं के वहीं खड़े रह गए। पंद्रह-बीस मिनट बीत गए, सूरज बिल्कुल छिप-सा गया था। पिताजी आए नहीं थे और न ही उनका नौकर और अब स्टेशन मास्टर भी हमें छोड़कर चले गए थे। हम काफी घबराए हुए थे। यात्रा के शुरू में जो खुशी और उत्साह की भावना थी उसकी जगह अब अत्यधिक उदासी ने ले ली थी।
- We were well-dressed children. From our dress or talk no one could make out that we were children of the untouchables. Indeed the station-master was quite sure we were Brahmin children and was extremely touched at the plight in which he found us. As is usual among the Hindus, the stationmaster asked us who we were. Without a moment's thought I blurted out that we were Mahars. (Mahar is one of the communities which were treated as untouchables in the Bombay Presidency.) He was stunned. His face underwent a sudden change. We could see that he was overpowered by a strange feeling of repulsion. As soon as he heard my reply, he went away to his room and we stood where we were. Fifteen to twenty minutes elapsed; the sun was almost setting. Our father had not turned up nor had he sent his servant, and now the stationmaster had also left us. We were quite bewildered, and the joy and happiness, which we felt at the beginning of the journey, gave way to a feeling of extreme sadness.

- आधे घंटे के बाद स्टेशन मास्टर लौटकर आए तो पूछा कि हम क्या करने की सोच रहे हैं। हमने कहा कि अगर हमें किराए पर एक बैलगाड़ी मिल जाती तो हम कोरेगाँव जा सकते थे। अगर कोरेगाँव ज्यादा दूर नहीं हो तो हम फौरन निकलना चाहते थे। वहाँ किराए पर कई बैलगाड़ियाँ चल रही थीं। लेकिन मैंने स्टेशन मास्टर को जो जवाब दिया था कि हम महार हैं, उसका पता सबको चल गया था। कोई भी गाड़ीवान अछूत वर्ग की सवारी को ले जाकर अपने आप को गंदा और नीचा नहीं बनाना चाहता था। हम दुगुना किराया देने को तैयार थे, पर हमें एहसास हुआ कि बात पैसे से नहीं बन सकती थी। स्टेशन मास्टर जो हमारे लिए गाड़ीवानों से मोल-तोल कर रहे थे, चुपचाप खड़े हो गए। समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें?

- After half an hour the stationmaster returned and asked us what we proposed to do. We said that if we could get a bullock-cart on hire we would go to Koregaon, and if it was not very far we would like to start straightway. There were many bullock-carts plying for hire. But my reply to the station master that we were Mahars had gone round among the cart men and not one of them was prepared to suffer being polluted and to demean himself carrying passengers of the untouchable classes. We were prepared to pay double the fare but we found that money did not work. The stationmaster, who was negotiating on our behalf, stood silent, not knowing what to do.

- डा. भीम राव अंबेडकर (1891-1956) को भारतीय संविधान के पिता एवं दलितों के सबसे बड़े नेता के रूप में जाना जाता है। डा. अंबेडकर ने दलित समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी थी। उनका महार जाति में जन्म हुआ था जो अछूत मानी जाती थी। महार लोग गरीब होते थे, उनके पास जमीन नहीं थी और उनके बच्चों को वही काम करना पड़ता था जो वे खुद करते थे। उन्हें गाँव के बाहर रहना पड़ता था और गाँव के अंदर आने की इजाज़त नहीं थी।
- Dr Bhim Rao Ambedkar (1891-1956) is considered the father of the Indian Constitution and is also the best known leader of the Dalits. Dr Ambedkar fought for the rights of the Dalit community. He was born into the Mahar caste, which was considered untouchable. The Mahars were poor, owned no land and children born to them also had to do the work their parents did. They lived in spaces outside the main village and were not allowed into the village.



- अंबेडकर अपनी जाति के पहले व्यक्ति थे जिसने अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की और वकील बनने के लिए इंग्लैंड गए। उन्होंने दलितों को अपने बच्चों को स्कूल-कॉलेज भेजने के लिए प्रोत्साहित किया। दलितों से अलग-अलग तरह की सरकारी नौकरी करने को कहा ताकि वे जाति व्यवस्था से बाहर निकल पाएँ।
- दलितों के मंदिर में प्रवेश के लिए जो कई प्रयास किए जा रहे थे, उनका अंबेडकर ने नेतृत्व किया। उन्हें ऐसे धर्म की तलाश थी जो सबको समान निगाह से देखे। जीवन में आगे चल कर उन्होंने धर्म परिवर्तन करके बौद्ध धर्म को अपनाया। उनका मानना था कि दलितों को जाति प्रथा के खिलाफ अवश्य लड़ना चाहिए और ऐसा समाज बनाने की तरफ काम करना चाहिए जिसमें सबकी इज्जत हो, न कि कुछ ही लोगों की।
- Dr Ambedkar was the first person from his caste who completed his college education and went to England to become a lawyer. He encouraged Dalits to send their children to school and college. He also urged Dalits to take on different kinds of government jobs in order to move out of the caste system.
- He led many efforts of Dalits to gain entry into temples. Later in life he converted to Buddhism in his search for a religion that treated all members equally. Dr Ambedkar believed that Dalits must fight the caste system and work towards a society based on respect not just for a few but for all persons.

- बच्चे पैसा देने को तैयार थे, फिर भी गाड़ीवानों ने उन्हें ले जाने से मना कर दिया। क्यों?
- स्टेशन पर लोगों ने डॉ. अंबेडकर और उनके भाइयों के साथ कैसे भेदभाव किया?
- महार होने का पता चलने पर स्टेशन मास्टर की जो प्रतिक्रिया हुई थी, उसे देखकर बचपन में अंबेडकर को कैसा लगा होगा? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
- क्या आपको कभी अपने प्रति लोगों के पूर्वाग्रह का अनुभव हुआ है? या आपने दूसरों के प्रति भेदभाव भरे व्यवहार को देखा है? उससे आपको कैसा महसूस हुआ?

- Despite the children offering money the cartmen refused them. Why?
- How did people at the station discriminate against Dr Ambedkar and his brothers?
- How do you think Dr Ambedkar felt as a child, when he saw the stationmaster's reaction to his statement that they were Mahars?
- Have you ever experienced prejudice or witnessed an incident of discrimination? How did this make you feel?

कल्पना करके देखिए कि यह कितना मुश्किल होगा अगर लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने न दिया जाए। यह कितना अपमानजनक और दुखदायी होगा अगर लोग आपसे दूर-दूर रहें, आपको छूने से मना करें और आपको पानी न पीने दें।

Imagine how difficult it would be if people could not move easily from one place to the other, how insulting and hurtful it is to have people move away, refuse to touch you or allow you to drink water from the same source as they do.





समानता के लिए संघर्ष/ Striving for Equality

- ❑ ब्रिटिश शासन से आज़ादी पाने के लिए जो संघर्ष किया गया था उसमें समानता के व्यवहार के लिए किया गया संघर्ष भी शामिल था। दलितों, औरतों, जनजातीय लोगों और किसानों ने अपने जीवन में जिस गैर-बराबरी का अनुभव किया, उसके खिलाफ़ उन्होंने लड़ाई लड़ी।
- ❑ जैसा कि पहले भी बात हुई, बहुत सारे दलितों ने संगठित होकर मंदिर में प्रवेश पाने के लिए संघर्ष किया। महिलाओं ने माँग की कि जैसे पुरुषों के पास शिक्षा का अधिकार है वैसे उन्हें भी अधिकार मिले। किसानों और दलितों ने अपने आपको ज़मींदारों और उनकी ऊँची ब्याज़ की दर से छुटकारा दिलाने के लिए संघर्ष किया।
- ❑ The struggle for freedom from British rule also included within it the struggle of large groups of people who not only fought against the British but also fought to be treated more equally. Dalits, women, tribals and peasants fought against the inequalities they experienced in their lives.
- ❑ As pointed out earlier, many Dalits organised themselves to gain entry into temples. Women demanded that they should have as much a right to education as men did. Peasants and tribals fought to release themselves from the grasp of the moneylender and the high interest they were charged.

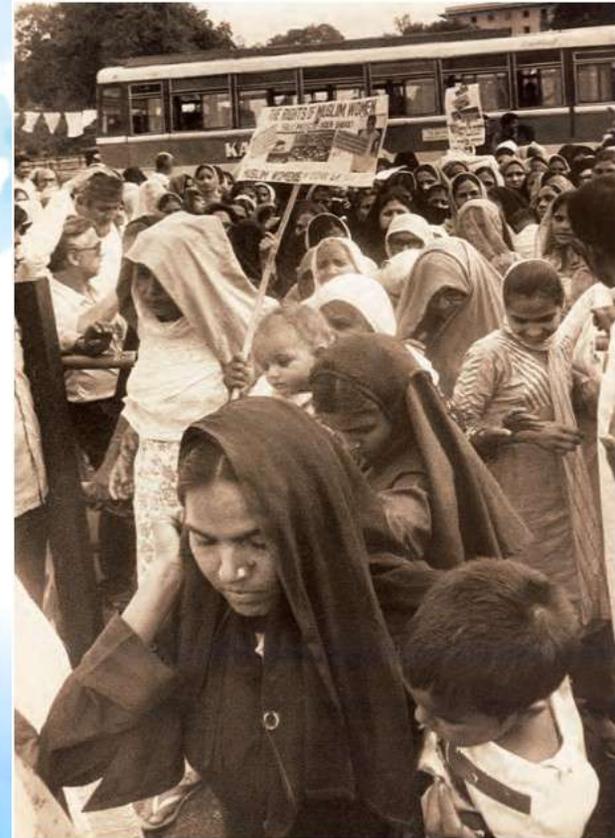


Discuss

- दलित के अलावा कई अन्य समुदाय हैं जिनके साथ भेदभाव किया जाता है।
 - क्या आप भेदभाव के कुछ अन्य उदाहरण सोच सकते हैं?
 - उन तरीकों पर चर्चा कीजिए जिनके द्वारा 'खास ज़रूरतों वाले' लोगों के साथ भेदभाव किया जा सकता है।
-
- In addition to the lower castes being discriminated against, there are also various other communities that are subject to discrimination.
 - Can you think of a few other examples of discrimination.
 - Discuss the ways in which persons with special needs might be subject to discrimination.

समानता के लिए संघर्ष/ Striving for Equality

- ❑ 1947 में भारत जब आज़ाद हुआ और एक राष्ट्र बना तो हमारे नेताओं ने समाज में व्याप्त कई तरह की असमानताओं पर विचार किया। संविधान को लिखने वाले लोग भी इस बात से अवगत थे कि हमारे समाज में कैसे भेदभाव किया जाता है और लोगों ने उसके खिलाफ किस तरह संघर्ष किया है। कई नेता इन लड़ाइयों के हिस्सा थे जैसे डॉ. अंबेडकर। इसलिए नेताओं ने संविधान में ऐसी दृष्टि और लक्ष्य रखा जिससे भारत में सभी लोगों को बराबर माना जाए।
- ❑ When India became a nation in 1947 our leaders too were concerned about the different kinds of inequalities that existed. Those who wrote the Constitution of India, a document that laid out the rules by which the nation would function, were aware of the ways in which discrimination had been practised in our society and how people had struggled against this. Many leaders of these struggles such as Dr Ambedkar had also fought for the rights of the Dalits.



समानता के लिए संघर्ष/ Striving for Equality

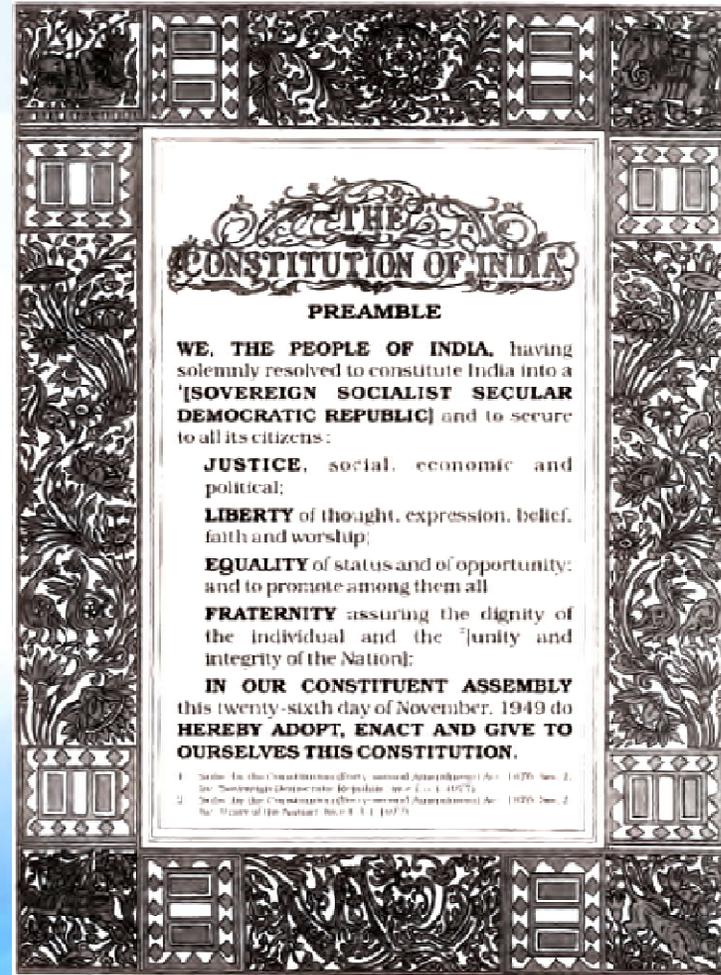
- ❑ समानता को एक अहम मूल्य की तरह माना गया है जो हम सभी को एक भारतीय के रूप में जोड़ती है। प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार और समान अवसर प्राप्त हैं। अस्पृश्यता यानी छुआछूत को अपराध की तरह देखा जाता है और इसे कानूनी रूप से खत्म कर दिया गया है। लोग अपनी पसंद का काम चुनने के लिए बिल्कुल आज़ाद हैं। नौकरियाँ सभी लोगों के लिए खुली हुई हैं। इन सबके अलावा संविधान ने सरकार पर यह विशेष ज़िम्मेदारी डाली थी कि वह गरीबों और मुख्यधारा से अलग-थलग पड़ गए समुदायों को इस समानता के अधिकार के फायदे दिलवाने के लिए विशेष कदम उठाए।
- ❑ So these leaders set out a vision and goals in the Constitution to ensure that all the people of India were considered equal. This equality of all persons is seen as a key value that unites us all as Indians. Everyone has equal rights and opportunities. Untouchability is seen as a crime and has been legally abolished by law. People are free to choose the kind of work they wish to do. Government jobs are open to all people. In addition, the Constitution also placed responsibility on the government to take specific steps to realise this right to equality for poor and other such marginal communities.





समानता के लिए संघर्ष/ Striving for Equality

- संविधान के लेखकों ने यह भी कहा कि विविधता की इज्जत करना, उसे मूल्यवान मानना समानता सुनिश्चित करने में बहुत ही महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने यह महसूस किया कि लोगों को अपने धर्म का पालन करने, अपनी भाषा बोलने, अपने त्योहार मनाने और अपने आप को खुले रूप से अभिव्यक्त करने की आज़ादी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई एक भाषा, धर्म या त्योहार सबके लिए अनिवार्य नहीं बनना चाहिए। उन्होंने ज़ोर दिया कि सरकार सभी धर्मों को बराबर मानेगी। इसीलिए भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है जहाँ लोग बिना भेदभाव के अपने धर्म का पालन करते हैं। इसे हमारी एकता के महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जाता है कि हम इकट्ठे रहते हैं और एक दूसरे की इज्जत करते हैं।
- हालाँकि हमारे संविधान में इन विचारों पर ज़ोर दिया गया है, पर यह पाठ इसी बात को उठाता है कि असमानता आज भी मौजूद है। समानता वह मूल्य है जिसके लिए हमें निरंतर संघर्ष करते रहना होगा। भारतीयों के लिए समानता का मूल्य वास्तविक जीवन का हिस्सा बने, सच्चाई बने इसके लिए लोगों के संघर्ष, उनके आंदोलन और सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदम बहुत ज़रूरी हैं।
- The writers of the Constitution also said that respect for diversity was a significant element in ensuring equality. They felt that people must have the freedom to follow their religion, speak their language, celebrate their festivals and express themselves freely. They said that no one language, religion or festival should become compulsory for all to follow. They said that the government must treat all religions equally. Therefore, India became a secular country where people of different religions and faiths have the freedom to practise and follow their religion without any fear of discrimination. This is seen as an important element of our unity - that we all live together and respect one other.
- Though these ideals are enshrined in our Constitution, this chapter points out that inequalities exist even today. Equality is a value that we have to keep striving for and not something which will happen automatically. People's struggles and positive actions by the government are necessary to make this a reality for all Indians.



Exercises

1. निम्नलिखित कथनों का मेल कराइए। रूढ़िबद्ध धारणाओं को कैसे चुनौती दी जा रही है, इस पर चर्चा कीजिए—

(क) दो डॉक्टर खाना खाने बैठे थे और उनमें से एक ने मोबाइल पर फ़ोन करके

1. दमा का पुराना मरीज़ है।

(ख) जिस बच्चे ने चित्रकला प्रतियोगिता जीती, वह मंच पर

2. एक अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना अंततः पूरा हुआ।

(ग) संसार के सबसे तेज़ धावकों में से एक

3. अपनी बेटी से बात की जो उसी समय स्कूल से लौटी थी।

(घ) वह बहुत अमीर नहीं थी, लेकिन उसका

4. पुरस्कार लेने के लिए एक पहियोंवाली कुर्सी पर गया।

1. Match the following statements in a way that challenges stereotypes.

a. Two surgeons were sitting down to lunch when one of them made a call on the mobile phone

1. suffers from chronic asthma.

b. The boy who won the drawing competition went to the dias

2. to become an astronaut which she did.

c. One of the fastest athletes in the world

3. to speak with her daughter who had just returned from school.

d. She was not that well-off but had a dream

4. on a wheelchair to collect his prize.

Que लड़कियाँ माँ-बाप के लिए बोझ हैं, यह रूढ़िबद्ध धारणा एक लड़की के जीवन को किस तरह प्रभावित करती है? उसके अलग-अलग पाँच प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

Que. भारत का संविधान समानता के बारे में क्या कहता है? आपको यह क्यों लगता है कि सभी लोगों में समानता होना ज़रूरी है?

Que. कई बार लोग हमारी उपस्थिति में ही पूर्वाग्रह से भरा आचरण करते हैं। ऐसे में अक्सर हम कोई विरोध करने की स्थिति में नहीं रहते, क्योंकि मुँह पर तुरंत कुछ कहना मुश्किल जान पड़ता है। अपनी कक्षा को दो समूहों में बाँटिए और प्रत्येक समूह इस पर चर्चा करे कि दी गई परिस्थिति में वे क्या करेंगे-

- (क) गरीब होने के कारण एक सहपाठी को आपका दोस्त चिढ़ा रहा है।
- (ख) आप अपने परिवार के साथ टी.वी. देख रहे हैं और उनमें से कोई सदस्य किसी खास धार्मिक समुदाय पर पूर्वाग्रहग्रस्त टिप्पणी करता है।
- (ग) आपकी कक्षा के बच्चे एक लड़की के साथ मिलकर खाना खाने से इनकार कर देते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि वह गंदी है।
- (घ) किसी समुदाय के खास उच्चारण का मज़ाक उड़ाते हुए कोई आपको चुटकुला सुनाता है।
- (ङ) लड़के, लड़कियों पर टिप्पणी कर रहे हैं कि लड़कियाँ उनकी तरह नहीं खेल सकतीं।

- ❑ उपर्युक्त परिस्थितियों में विभिन्न समूहों ने कैसा बर्ताव करने की बात की है, इस पर कक्षा में चर्चा कीजिए, साथ ही इन मुद्दों को उठाते समय कक्षा में कौन-सी समस्याएँ आ सकती हैं, इस पर भी बातचीत कीजिए।
- ❑ **Discuss in class what the different groups have suggested for the above situations, and also talk about the problems that can come up when raising the issue.**





THANK
YOU